को स्थापित करने में निजी क्षेत्र सक्रिय रूप से भाग ले रहा हैं ।कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता में से 800 मेवा.से ज्यादा की परियोजना निजी क्षेत्र में स्थापित की गई है । ये परियोजनाएं उद्योगों द्वारा मुख्यतया अपनी कैप्टिव विद्युत ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्थापित की गई है । फिर भी,कतिपय परियोजनाओं में,विद्युत राज्य विद्युत बोड़ोंया तीसरी पाटी को भी बेची जा रही हैं । ये परियोजनाएं विभिन्न राज्य सरकारों और राज्य विद्युत बोड़ों दवारा सुलझाई जाती है ।

गैर-पांरपरिक ऊर्जा स्त्रोतों के माध्यम से विद्युत उत्पादन

2742.**श्री मूलचन्द मीणा**:

श्री अजीत जोगी:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पवन चक्की और सौर ऊर्जा जैसे गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोतों के माध्यम से विद्युत उत्पादन करने वाले साधन सस्ते है तथा देश में आसानी से उपलब्ध हैं;

(ख) यदि हां,तो ऐसे स्थानों पर जहां पवन चक्कियां तथा सौर ऊर्जा आसानी से उपलब्ध हो सकती हैं,तुलनात्मक रूप से अधिक लागत पर विद्युत उत्पादन करने के क्या कारण हैं ;

(ग) क्या सरकार के पास ऐसे स्थानों पर गैर-पारंपरिक ऊर्जा के माध्यम से विद्युत उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु कोई प्रस्ताव हैं;और

(घ) यदि हां,तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं ?

गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोत मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन जय नारायण प्रसाद निषाद): (क) आर (2) पवन और सौर ऊर्जा जैसे अपरांपरिक ऊर्जा स्त्रोतों से विद्युत उत्पादन की लागत परंपरागत विद्युत की तुलना में फिलहाल अपेक्षाकृत ज्यादा है । फिर भी,यदि सभी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष आर्थिक राज सहायताओं,पर्यावरणीय और अन्य सामाजिक मूल्यों तथा बाह्रयताओं को शामिल करके पंरपरागतविद्युत की पूरी लागत को हिसाब में लिया जाए तो जीवन चक्र मूल्यों पर अपरांपरिक विद्युत उत्पादन की लागत परंपरागत विद्युत की तुलना में अनुकूल पड़ती है । सौर ऊर्जा या पवन संसाधनों से विद्युत उत्पादन स्थल-विशिष्ट है और न्यून क्षमता वाली है । यह परंपरागत ग्रिड विद्युत की प्रभावपूर्ण ढंग से आपूर्ति कर सकती है ।

(ग) और (घ) देश में सौर,पवन,बायोमास और लघुपन विद्युत संसाधनों पर आधारित लगभग 1100 मेवा.समग्र क्षमता पहले ही स्थापित की जा चुकी है । विभिन्न राज्यों में आगे की क्षमताओं की योजना बनाई जा रही है । ये परियोजनाएं राज्यों में वाणिज्यिक विकास को बढ़ावा देने के लिए तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता और नीतियों पर निर्भर करेंगे ।

Wind Power Projects in Maharashtra

2743. MISS SAROJ KHAPARDE: Will the Minister of NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES be pleased to state:

(a) the number of wind power projects installed in Maharashtra, with details of location and capacity thereof;

(b) whether Government propose to increase the number of wind power projects and set up such project in that State, particularly in Nagpur; and

(c) if so, the details thereof and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (CAPT. JAI NARAIN PRASAD NISHAD): (a) The details of wind power projects installed in Maharashtra are given below:

Location	Capacity
Deogad (Sindhudurg Distt.)	1.100 MW
Vijaydurg	1.500 MW

(Sindhudurg Distt.) Chalkewadi (Satara Distt.) 2.770 MW

(b) and (c) Under the National Wind Resource Assessment Programme, eight sites have been identified in the State of Maharashtra so far which are considered suitable for wind power generation. No potential sites have been Identified in the Nagpur region so far. Further, projects in the State will depend on techno-economic viability and the policies of the State Government to encourage commercial developments.

Commercial Solar power projects in the country

2744. MISS SAROJ KHAPARDE: Will the Minister of NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES be pleased to state:

(a) whether any proposal is under Government's consideration for establishing large-scale commercial solar power projects in the country, particularly in Maharashtra;

(b) if so, the details thereof; and

(c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTER OF NON- CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (CAPT. JAI NARAIN PRASAD NISHAD): (a) to (c) Grid